p>Title: Regarding murder of three persons in a police encounter in Meerut, Uttar Pradesh.

श्री सईदुज्जमा (मुजफ्फ़रनगर) : स्पीकर महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। मान्यवर, पूरे उत्तर प्रदेश में कानून की जो स्थिति है उससे पूरा हाउस अवगत है। उत्तर प्रदेश में लूट, डकैती, बलात्कार और दलितों का उत्पीड़न हो रहा है। आज पूरे उत्तर प्रदेश में एक भी जिला ऐसा नहीं है जहां दलितों का उत्पीड़न न हो रहा हो। आज कश्मीर में इतनी घटनाएं नहीं हो रही हैं जितनी की उत्तर प्रदेश में हो रही हैं। साथ-साथ उसमें सरकार भी मुलव्वित है। पुलिस ने हमारे क्षेत्र में जो तीन बेगुनाह लोगों के एनकाउंटर किये हैं उनमें मिस्टर कुशलपाल, श्री भोपाल और बिजेन्द्र के एनकाउंटर हैं जो मेरठ के सलावा और समौली गांव आदि के हैं। ये अपनी तारीख पर आये हुए थे और पुलिस उनको लाई और उनका एनकाउंटर किया गया। आज यूपी का एक भी जिला ऐसा नहीं हैं जहां बेगुनाह लोगों का एनकाउंटर न किया जा रहा हो। इसके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के एमएलए ने भी धरना दिया है लेकिन दोाी अधिकारियों को सस्पेंड नहीं किया और मुकदमा नहीं चलाया गया है, उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की गयी है। आज पूरे प्रदेश में यह स्थिति बनी हुई है। मेरी आपसे दर्खास्त है कि इस प्रकरण की सीबीआई से जांच कराई जाए और जो पूरे प्रदेश में कानून की स्थिति बिगड़ती जा रही है उस पर ध्यान दिया जाए। â€¦ (व्यवधान)हाईकोर्ट ने ऊत्तर प्रदेश में जंगल राज कहा है इसलिएमहोदय, उत्तर प्रदेश की सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिए।